Greenlawns School - Worli

प्रथम सत्रीय पुनरावलोकन - 2017 - 2018

कक्षा :- आठवीं

विषय :- हिंदी

पूर्णांक :- 80

दिनांक :- 25.09.217

समय :- 2½ घण्टे

सूचना :-
1. इस प्रश्न पत्र के दो भाग हैं ।
2. भाग " अ " के सभी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य हैं ।
3. भाग " ब " के उत्तर वहाँ दी गई सूचना के अनुसार लिखिए ।

विभाग - अ (अंक - ४०)

भाषा - विभाग

प्रश्न 1) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :- (15)

i. हमें अपने देश की स्वतंत्रता के लिए क्या - क्या संघर्ष करने पड़े ? इस संदर्भ में स्वतंत्रता का महत्त्व बताते हुए अपने देश की स्वतंत्रता की रक्षा के प्रति अपने कर्तव्यों का वर्णन कीजिए ।

ii. ' माँ केवल जननी ही नहीं बल्कि जीवन का आधार है । ' इस कथन को स्पष्ट करते हुए बच्चे के जीवन में माँ के महत्त्व को दर्शाते हुए अपने विचार लिखिए ।

iii. ज्ञान प्राप्त करने के बहुत - से साधन हैं । यात्रा पर जाना भी किसी पाठशाला में जाकर शिक्षा प्राप्त करने से कम नहीं है । ऐसी ही किसी यात्रा का वर्णन कीजिए । बताइए कि उस यात्रा से आपने क्या - क्या सीखा ?

iv. " अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत " इस लोकोक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए ।

इस प्रश्न पत्र के पृष्ठों की संख्या 8 है ।

v. नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और उसके आधार पर कोई घटना, कहानी या लेख लिखिए , पर ध्यान रहे विषय का सीधा संबंध चित्र से होना चाहिए ।

प्रश्न 2) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :- (7)

i. स्कूल बस में होनेवाली असुविधा की जानकारी देते हुए आपके विद्यालय की प्रधानाचार्या को पत्र लिखिए ।

अथवा

ii. आप अपने परिवार के साथ कहीं घूमने जा रहे थे तब आपने रास्ते में कोई दुर्घटना देखी । अपने मित्र को पत्र लिखकर बताइए कि आपने दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों की क्या सहायता की ?

प्रश्न 3) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए । उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :- (10)

एक चोर किसी मंदिर का घंटा चुराकर ले गया था । वन में जाते हुए उसका सामना बाघ से हो गया और चोर बाघ के द्वारा मारा गया । उसी वन में वह घंटा बंदरों के हाथ में पड़ गया । वन बहुत घना था । बंदर झाड़ियों के अंदर रहते थे । जब उनकी मौज होती , वे घंटा बजाते ।

घंटे की आवाज़ सुनकर समीप के नगर में यह अफ़वाह फैल गयी कि जंगल में भूत रहता है और उसका नाम घंटाकरण है। उसके कान घंटे के समान हैं, जब वह हिलता है, तो कानों से घंटे की आवाज़ आती है। इस अफ़वाह से लोग ऐसे भयभीत हुए कि जंगल की ओर भूलकर भी कोई न जाता था। सब जंगल से दूर - दूर ही रहते थे। अब लकड़हारे जंगल से न लकड़ियाँ लाते थे, चरवाहे जंगल में पशुओं को चराने न ले जाते थे। किसी में इतना हौसला न था कि जंगल में जाने का प्रयत्न कर पाता।

इस प्रकार सारे का सारा जंगल किसी भी काम में न आकर कल्पित घंटाकरण भूत की राजधानी बन गया। अब तो राजा को भी बड़ी चिंता हुई। उसने सयानों और जादूगरों को इकट्ठा किया और कहा कि भाई इस भूत को जंगल से निकालो, वरना सारा जंगल और हज़ारों रुपये की सालाना आमदनी बेकार हाथ से जा रही है।

सब लोगों ने अपने - अपने करने प्रारंभ किए। पंडितों ने चंडी का जाप किया, हनुमान चालीसा का पाठ किया। मुल्लाओं ने कुरान का पाठ आरंभ किया। किसी ने भैरों को याद किया, किसी ने काली माता की मन्नत की, किसी ने पीर - पैंगबर को मनाया, किसी ने जादू - टोना किया। इस पर भी घंटाकरण किसी के काबू में न आया। घंटे का शब्द सदा की भाँति सुनाई देता रहा और लोग समझते रहे कि घंटाकरण घंटा बजा रहा है।

तभी एक चतुर मनुष्य उधर कहीं से आ निकला। वह भूत - प्रेत, चंडी - मुंडी, पीर - पैगंबर, जादू - टोने आदि कपोल - कल्पित मिथ्या बातों पर विश्वास नहीं करता था। उसने विचारा कि वन में हो न हो कोई विशेष बात होगी। संभव है कि वन में डाकू रहते होंगे और उन्होंने वन को अपने रहने के लिए सुरक्षित बनाने को यह पाखंड रचा हो या कहीं बंदरों के हाथ घंटा न पड़ गया हो। ऐसा दृढ़ निश्चय कर वह चतुर मनुष्य साधु का वेश धरकर जंगल में घुसा। अंदर जाकर देखा तो उसने अपने अनुमान को सही पाया। लौटकर उसने नगर निवासियों से कहा, " भाइयो ! मैंने भूत को

पकड़ने का उपाय विचार लिया है। आप लोग मुझे एक गाड़ी भुने चने दें, तो मैं कल ही भूत को पकड़ लेता हूँ।"

नगर के निवासी और राजा भूत के नाश के लिए सब कुछ करने को तैयार थे, झटपट सब सामान इकट्ठा कर दिया। चतुर मनुष्य ने जंगल में जाकर चने बंदरों के आगे डाल दिए। इधर सब बंदर चने खाने लगे, उधर उसने घंटा उठाकर नगर की राह ली। अब क्या था, सारे नगर में और राजसभा में उस चतुर मनुष्य को बड़ा आदर मिला, फिर उसने सब भेद खोलकर लोगों के मिथ्या विश्वास को तोड़ा। उन्हें भ्रम के भूत से मुक्ति दिलाई।

इस कहानी के समान अनेक बातों के भ्रम में पड़कर मनुष्य ने भूत - प्रेत, जादू - टोना आदि अनेक प्रकार की कल्पनाएँ कर ली हैं। लोग भय और मिथ्या विश्वास के कारण वास्तविकता का पता नहीं लगाते हैं और झूठे उपाय कर - करके थकते हैं। वास्तव में भूत - प्रेत आदि यह सब ठग - लीला है। जादू - टोने सब लूटने - खाने के बहाने हैं। इनसे सदा बचने में ही मानव की भलाई है।

मिथ्या विश्वास से ही मनुष्य तरह - तरह के कष्टों में पड़ जाता है। अत: यथासंभव मिथ्या विश्वास दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए।

प्रश्न :-

i. नगर में क्या अफ़वाह फैल गई थी और इस अफ़वाह का क्या कारण था? (2)

ii. जंगल किसकी राजधानी बन गया था? इससे नगर निवासियों पर क्या प्रभाव पड़ा? (2)

iii. राजा की चिंता का क्या कारण था? भूत को जंगल से निकालने के क्या - क्या उपाय किए गए? (2)

iv. चतुर मनुष्य का क्या अनुमान था? उसने नगर निवासियों को भूत से किस प्रकार मुक्ति दिलाई? (2)

v. प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली? (2)

प्रश्न 4) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :- (8)

i. निम्नलिखित शब्दों में किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए (1)
:-

1. भय 2. दु:ख

ii. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :- (1)

1. क्रूर 2. निरक्षर

iii. निम्न शब्दों के विशेषण शब्द लिखिए :- (1)

1. धर्म 2. मन

iv. निम्न शब्दों के भाववाचक संज्ञा शब्द बनाकर लिखिए :- (1)

1. व्यक्ति 2. चिकना

v. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए :- (1)

1. भीगी बिल्ली बनना 2. लाल - पीला होना -

vi. निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन करके उन्हें दोबारा लिखिए :- (3)

1. विद्वान लड़की ने बच्चे को बचाया ।
(अशुद्ध वाक्य शुद्ध कीजिए ।)
2. बच्चे फुटबॉल से खेल रहे थे ।
(वर्तमान काल में बदलिए ।)
3. दोनों भाई परीक्षा में सफल न हो सके ।
(' न ' को हटाइए परंतु वाक्य का अर्थ न बदले ।)

विभाग - ब (अंक - ४०)

साहित्य - विभाग (गद्य - विभाग)

सूचना :- नीचे लिखें अवतरणों को पढ़कर उनके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए । प्रश्न ५ , ६ अनिवार्य है । शेष प्रश्नों (प्रश्न ७ , ८ , ९) में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए । इस पुस्तक के कुल चार प्रश्न करने हैं । बाल महाभारत के प्रश्न अनिवार्य हैं ।

प्रश्न 5) नीचे लिखे शब्दों के अर्थ लिखिए :- (2)

i. विलायती ii. पाहुन

iii. कुंज iv. प्रणाली

प्रश्न 6) नीचे लिखी कविता की पंक्तियों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (10)

गुन के गाहक सहस नर , बिनु गुन लहै न कोय ।
जैसे कागा कोकिला , सबद सुनै सब कोय ।।
सबद सुनै सब कोय , कोकिला सबै सुहावन ।
दोऊ को इक रंग , काग सब भए अपावन ।।
कह गिरिधर कविराय , सुनो हो ठाकुर मन के ।
बिनु गुन लहै न कोय , सहस नर गाहक गुन के ।।

प्रश्न :-

i. प्रस्तुत पंक्तियों का संदर्भ लिखिए । (2)

ii. ' दोऊ को इक रंग , काग सब भए अपावन ' इस पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए । (2)

iii. उपर्युक्त पद्यांश का भावार्थ लिखिए । (3)

iv. कवि का परिचय दीजिए । (3)

प्रश्न 7) " गुजरात एकता का स्थल है । यहाँ कृष्ण भक्तों के लिए द्वारका है । "

प्रश्न :-

i. गुजरात को एकता का स्थल क्यों कहा गया है ? (2)

ii. गुजरात के निवासियों की वेशभूषा कैसी हैं ? (2)

iii. ' द्वारका ' का वर्णन कीजिए । (3)

iv. पाठ के अनुसार गुजरात की यात्रा पर कौन गया था तथा कब ? उसे हवाखोरी के लिए कौन - सा स्थान अच्छा लगा व क्यों ? (3)

प्रश्न 8) " वास्तव में सुनामी लहरों ने भारत में एक महाविनाशलीला रच दी । "

प्रश्न :-

i. ' सुनामी ' इस शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए । (2)

ii. ' सुनामी ' लहरों की उत्पत्ति कैसे होती हैं ? (2)

iii. सुनामी लहरों की विशेषताएँ लिखिए । (3)

iv. भारत में आई सुनामी लहरों की विनाशलीला का वर्णन कीजिए । (3)

प्रश्न 9) " इनको प्रेस की आज़ादी देना हमारे लिए खतरनाक है । "

प्रश्न :-

i. यह वाक्य किसने कहा व उसने प्रेस की आज़ादी को खतरनाक क्यों बताया ? (2)

ii. दुर्गाप्रसाद मिश्र किस पत्र के संपादक थे तथा उन्होंने भारतीय संपादकों को क्या कर्तव्यबोध करवाया ? (2)

iii. ' पयामे आज़ादी ' के माध्यम से किसने भारतीयों का क्या आह्वान किया ? विस्तारपूर्वक लिखिए । (3)

iv. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में पत्र - पत्रिकाओं और पत्रकारों ने किस प्रकार महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई ? स्पष्ट कीजिए । (3)

" बाल - महाभारत "

प्रश्न 10) निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर लिखिए :- (8)

i. देवव्रत किस नाम से प्रसिद्ध हुए व कैसे ? (2)

ii. विदुर किसलिए प्रसिद्ध हुए व उन्होंने धृतराष्ट्र को दुर्योधन का वध कराने की सलाह क्यों दी ? (2)

iii. कंस ने किसे कारागृह में डलवा दिया व क्यों ? (2)

iv. ऋषि परशुराम को कैसे पता चला कि कर्ण क्षत्रिय है ? उस घटना का वर्णन कीजिए । (2)

---------- स मा प्त ----------